This question paper contains 4 printed pages.]

3406

Your Roll No. .....
आपका अनुक्रमांक .....

LL.B./I Term

B

Paper IV – CRIMINAL LAW-I (OC)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any ***five*** *questions.*
All questions carry equal marks.

किन्हीं ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिये।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain the common law principle of "actus non facit reum, nisi mens sit rea" with the help of decided cases. What are the exceptions, if any, to this principle ?

[P.T.O.

कामन विधि में प्रचलित आपराधिक मनः स्थिति के सिद्धान्त, ''एक्टस नान फेसिट रियम, निशि मेन्स सिट रिया'' की व्याख्या निर्णित वादों के आलोक में कीजिए। इस सिद्धान्त के अपवाद, यदि कोई हो, का भी उल्लेख कीजिए।

2. X, while travelling through a jungle at night saw 2 lights shining at some distance. Believing it to be the eyes of some wild animal glowing in the dark, he took out his licensed revolver which was loaded and fired at the light which unfortunately hit and killed two military officers who were part of a secret camp of the Army in the forest. Discuss criminal liability of X, in the above case. Substantiate your answer with decided cases.

'X' जब जंगल से गुजर रहा था कुछ दूरी पर चमकते हुए दो प्रकाश पुंज को देखा। इसे उसने अंधेरे में जंगली जानवर की चमकती हुई आँखों का विश्वास करते हुए अपनी अनुबंधित रिवाल्वर निकाली तथा उक्त प्रकाश पुंज पर चला दी जिससे दुर्भाग्यवश दो सुरक्षा अधिकारियों की, जो वहां गुप्त सुरक्षा छावनी में थे, मृत्यु हो गयी।

उपर्युक्त मामले में 'X' के आपराधिक दायित्व की विवेचना कीजिए। निर्णीत वादों का हवाला देते हुए अपना उत्तर दीजिए।

3. State the situations in which a person can cause death of an assailant while exercising the right of private defence of body.

उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जिनमें एक व्यक्ति शरीर की व्यक्तिगत सुरक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए आक्रमणकर्ता की मृत्यु कारित कर सकता है।

4. Insanity as ground from exemption to crime is based on the theory "that at the time of the commission of act the person should be deprived of the cognitive faculty to the extent that he is unable to differentiate between right and wrong". Discuss.

"आपराधिक दायित्व के अपवादस्वरूप" चित्त विकृतता इस सिद्धान्त पर आधारित है कि कार्य करने के दौरान व्यक्ति स्वयं के संज्ञान शक्ति से इस सीमा तक वंचित हो जाता है कि वह पूर्णतया सही तथा गलत में अंतर करने के अयोग्य हो जाता है"। उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

5. The constructive liability is included in section 34 and 149 of the Indian Penal Code. In the light of decided case discuss the rule of such liability.

आन्वयिक दायित्व का सिद्धान्त भारतीय दण्ड संहिता की धारा 34 और 149 में समावेशित है। निर्णीत वादों के आलोक में इस दायित्व के नियम की व्याख्या कीजिए।

6. Discuss "attempt". What are different theories of *criminal attempt* and what is the extent of liability ?

"प्रयत्न" को परिभाषित कीजिए। आपराधिक प्रयत्न के विभिन्न सिद्धान्त क्या हैं, तथा प्रयत्न में दायित्व की सीमा क्या है ?

7. In the light of changes in 2006 with respect to Law of Bail, state the conditions of granting bail in non-bailable offences.

गैर-जमानतीय अपराध में जमानत प्रदान करने की शर्तों का उल्लेख जमानतीय विधि में सन् 2006 में हुए परिवर्तनों के आलोक में कीजिए।

8. Discuss the rule of Double Jeopardy as placed in section 300 of criminal procedure code of 1973.

दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के धारा 300 में निहित दोहरे दण्ड के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।